भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर ने प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण और स्टार्ट-अप पर सत्र के साथ नवाचार संवाद को मजबूत किया

भुवनेश्वर, 24 अप्रैल 2026: अपनी 100 CUBE उद्यमिता विकास पहल के एक भाग के रूप में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) भुवनेश्वर ने 23 अप्रैल 2026 को प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण पर एक व्यावहारिक सत्र की मेजबानी की। सत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के 2025 राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मोहनशंकर शिवप्रकाशम के साथ बातचीत के लिए संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं, नवप्रवर्तकों और संस्थान के नवाचार और ऊष्मायन पारिस्थितिकी तंत्र के सदस्यों को एक साथ लाया गया। सत्र में शैक्षणिक अनुसंधान को प्रभावशाली प्रौद्योगिकियों और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य उत्पादों में अनुवाद करने के तरीकों पर चर्चा की गई।

प्रारंभ में, प्रो. श्रीपाद कर्मलकर ने कहा कि संस्थान की 100 CUBE पहल का लक्ष्य 100 स्टार्ट-अप को सलाह देना है, जिनमें से प्रत्येक की कीमत कम से कम रु. ओडिशा के 100वें वर्ष यानी 2036 तक 100 करोड़। उन्होंने इस लक्ष्य की दिशा में संस्थान द्वारा उठाए गए दो प्रमुख कदमों को रेखांकित किया। इनमें शोध छात्रों के लिए 'अनुसंधान और उद्यमिता' पर एक अनिवार्य पाठ्यक्रम और उद्योग-अकादमिक संबंधों को मजबूत करने के लिए सहयोग के लिए प्रत्येक संकाय सदस्य के लिए दो उद्योगों की पहचान करने का आदेश शामिल है। उन्होंने उल्लेख किया कि संस्थान वर्तमान में 140 स्टार्ट-अप का मार्गदर्शन कर रहा है, जिनमें से 8 का नेतृत्व आईआईटी संकाय द्वारा, 16 का नेतृत्व आईआईटी छात्रों द्वारा और बाकी 100 से अधिक अन्य द्वारा किया जाता है।

प्रोफेसर मोहनशंकर ने आईआईटी भुवनेश्वर के उपरोक्त प्रयासों की सराहना की, और स्टार्ट-अप द्वारा कवर किए गए क्षेत्रों में विविधता के साथ-साथ इस तथ्य की भी सराहना की कि संस्थान ने बड़ी संख्या में गैर-आईआईटी उद्यमियों को आकर्षित किया है। उन्होंने डीप-टेक इनोवेशन, उद्योग सहयोग और सफल प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में अपने व्यापक अनुभव से अंतर्दृष्टि साझा की। उद्योग सहयोग के महत्व को सुदृढ़ करते हुए, उन्होंने कहा कि "आपको बहुत मजबूत उद्योग संबंध बनाने होंगे... एक जुड़ाव और सहयोग जहां एक दूसरे को प्रभावित करता है," उन्होंने कहा कि ऐसी साझेदारियां स्थायी प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं। शैक्षणिक संस्थानों को पारंपरिक अनुसंधान ढांचे से आगे बढ़ने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, उन्होंने टिप्पणी की, "प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण के कई मार्ग हैं... ऊष्मायन एक मार्ग है, लेकिन जरूरी नहीं कि एकमात्र मार्ग हो। लाइसेंसिंग के माध्यम से उद्योग और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ उत्पादों का सह-विकास करना भी समान रूप से महत्वपूर्ण मार्ग हैं।" उन्होंने कहा कि प्रभावशाली प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण कठोर और बौद्धिक रूप से मजबूत अनुसंधान में निहित है।

2 घंटे तक चली जीवंत बातचीत में 50 से अधिक लोगों ने भाग लिया।